त्रैमासिक सूचना पत्र

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 411 001

संस्थान डी ओ टी (020)
622271,625030,627545,627817,626436
रेलवे 210
छात्रावास - डी ओ टी (020)
630579, 626816, 621669
रेलवे 432, 424

फैक्स : 020-628677,
ई-मेल : iricen@vsnl.com
टेलीग्राम : रेलपथ इंटरनेट : http://www.iricen.com

वर्ष - तृतीय अंक - प्रथम जनवरी-मार्च 1999

इस अंक में

1) सम्पदा अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम.
2) दक्षिण रेल पर फील्ड पाठ्यक्रम.
3) काष्ठ स्लीपरों के निरीक्षण एवं परीक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम.
4) इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) सेमिनार.
5) अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम.
6) गणतंत्र दिवस समारोह.
7) पुल मानक समिति की 70 वीं बैठक.
8) मुख्य रेल पथ इंजीनियर सेमिनार.
9) मुख्य इंजीनियर (रेल पथ मशीन) सेमिनार.
10) निदेशक (राजभाषा) रेलवे बोर्ड का दौरा.
11) रेल पथ आरेख सॉफ्टवेयर.
12) "यू एस एफ डी तथा रेल वेल्ड खराबी" पर आयोजित सेमिनार में व्याख्यान.
13) संस्थान का स्थापना दिवस.
14) सिविल इंजीनियरी पहलूओं पर पाठ्यक्रम.
15) पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर फील्ड पाठ्यक्रम.
16) प्रशिक्षण सांख्यिकी.
17) विदाई.
18) स्वागत.
19) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम.
20) आपके पत्र.

1) सम्पदा अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम

रेलवे बोर्ड ने, संस्थान को सम्पदा अधिकारियों (Estate Officer's) के कार्य संचालन के पहलूओं पर एक विशेष पाठ्यक्रम आयाजित करने को कहा था, तदनुसार संस्थान में दिनांक 6 से 8 जनवरी तक 3 दिन की अवधि का एक विशेष पाठ्यक्रम (सत्र क्र. 9869) आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन विशेष कार्य अधिकारी / भूमि प्रबंधन / रेलवे बोर्ड श्री पी. के. वाही ने किया। इस पाठ्यक्रम में भारतीय रेल के 14 सम्पदा अधिकारियों ने भाग लिया। यह पाठ्यक्रम बहुत उपयोगी रहा ।

2) दक्षिण रेल पर फील्ड पर पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा सितम्बर 98 में चैन्नई में रेल पहिया पारस्परिक क्रिया पर एक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। इस पाठ्यक्रम की सफलता से प्रोत्साहित होकर दक्षिण रेल ने अपने अधिकारियों तथा कर्मचारियों के लाभार्थ त्रिची में "रेल पथ मशीनों" पर एक विशेष फील्ड पाठ्यक्रम आयोजित करने का अनुरोध किया, तदनुसार त्रिचि में दिनांक 7 से 8 जनवरी तक "रेल पथ मशीनों" पर एक विशेष फील्ड पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें दक्षिण रेल के 52 अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने भाग लिया । प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम को बहुत उपयोगी पाया ।

3) काष्ठ स्लीपरों के निरीक्षण एवं परीक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम

सदस्य इंजीनियरी के निदेशानुसार संस्थान ने दि. 11 से 15 जनवरी तक वन अनुसंधान संस्थान देहरादून में " काष्ठ स्लीपरों का निरीक्षण एवं परीक्षण"

संपादकीय

तृतीय वर्ष के प्रथम अंक को आपके हाथों में सौंपते हुए मुझे प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इक्कीसवीं शताब्दी की दहलीज पर खड़े होकर सूचना प्रौद्योगिकी के नूतन आयामों का संबल ग्रहण कर, हम ज्ञान-दान के अपने पुनीत कर्तव्य में रत हैं, आंकड़े बताते है कि हमने अपनी प्रशिक्षण क्षमता का लगभग शतप्रतिशत उपयोग किया है । इन आंकड़ों केपार्श्व में हमारे संकाय का अध्ययन एवं मार्गदर्शन तथा हमारे कर्मचारियों का परिश्रम है ।

हमारा संस्थान जिस तरह प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति पथ पर अग्रसर है, उसी तरह राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार के क्षेत्र में भी काफी प्रगति हुई है । हमारे वर्ष भर का पाठ्यक्रम कैलेन्डर हिंदी में है, जिसके परिणाम स्वरूप मूल रूप से हिंदी में काम करने का प्रतिशत दिन प्रतिदिन बढ़ रहा है । अनुवाद पर निर्भरता समाप्त करने की दिशा में हिंदी में बनाए गए टैम्पलेट्स काफी कारगर साबित हो रहे है ।

पाठकों की मांग को स्वीकार कर आगामी अंक से हम साहित्यिक खंड प्रारंभ करने जा रहे है, जिसमें लघुकथाओं, क्षणिकाओं को स्थान दिया जाएगा । आपके पत्र हमारा संबल है, सुदूर केरल से भी हमें पत्र प्राप्त हो रहे हैं, अत: इस पत्र को और उपयोगी बनाने के लिए आपके सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी ।

संरक्षक
विनोद कुमार
निदेशक
इरिसेन, पुणे

मुख्य संपादक
सुभाषचंद गुप्ता
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक-पुल 1

संपादक
विपिन पवार
राजभाषा सहायक
ग्रेड I

सहयोग
एन. एल. नाड़गौड़ा
सह प्राध्यापक
एम. बाबू, मुख्य तक. सहा.

विषय पर एक विशेष पाठ्यक्रम आयोजित किया । इस पाठ्यक्रम में 20 अधिकारियों एवं निरीक्षकों ने भाग लिया । प्रतिभागियों ने इस पाठ्यक्रम को अत्यंत उपयोगी पाया । संस्थान के एक मुख्य तकनीकी सहायक ने भी इस पाठ्यक्रम में भाग लिया, इससे हमारा प्रशिक्षण संगठन मजबूत हुआ है।

4) **इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया) सेमिनार**

इंस्टीट्यूशन ऑफ परमनेंट वे इंजीनियर्स (इंडिया), पश्चिम रेल द्वारा दि. 12 से 13 जनवरी तक चर्चगेट में एक सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के निदेशक श्री विनोद कुमार के अतिरिक्त वरिष्ठ प्राध्यापक (रेल पथ) श्री सी. पी. तायल तथा प्राध्यापक (रेल पथ) श्री बृजेश कुमार ने भी भाग लिया । इस सेमिनार के अवसर पर इरिसेन के प्रकाशनों का एक स्टॉल लगाया गया था, जिसमें 7831 रूपये की रिकार्ड बिक्री हुई । यह इरिसेन के प्रकाशनों की गुणवत्ता तथा लोकप्रियता का प्रमाण है । स्टॉल की व्यवस्था सहायक इंजीनियर श्री अरूण चांदोलीकर तथा ग्रंथपाल श्री पी. डी. खजिनदार ने की ।

5) **अवपथन जांच पड़ताल पर विशेष पाठ्यक्रम**

संस्थान में दिनांक 18 से 22 जनवरी तक क्षेत्रीय रेलों के भारतीय रेल यातायात सेवा के मंडल संरक्षा अधिकारियों तथा वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारियों के लिए "अवपथन जांच पड़ताल " पर एक विशेष पाठ्यक्रम (सत्र क्र. 9903) आयोजित किया गया, जिसमें 14 अधिकारियों ने भाग लिया । अधिकारियों से प्राप्त फीड बैक के अनुसार यह पाठ्यक्रम उनके लिए बहुत उपयोगी रहा ।

6) **गणतंत्र दिवस समारोह**

संस्थान में दिनांक 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया । संस्थान के प्रांगण मे प्रात: निदेशक श्री विनोद कुमार ने ध्वजारोहण किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया । अपने प्रेरक भाषण में आपने आजादी के महत्व को समझाते हुए अपने कर्तव्य को न भूलने की सलाह दी। बाद में देश की प्रगति में संस्थान के योगदान की चर्चा करते हुए आपने 'ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन' के अपने मूल मंत्र पर चलते हुए पूरी निष्ठा तथा समर्पण से शिक्षण का कार्य करने पर बल दिया, ताकि हमारे आज के प्रशिक्षु अधिकारी जब अपना प्रशिक्षण समाप्त कर अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में जाए, तो रेलवे के सुगम दुर्घटना रहित एवं दक्ष कार्य संचालन में अपना योगदान प्रदान कर देश को प्रगति पथ पर ले जाए । कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक (प्रशिक्षण) श्री बृजेश कुमार ने किया । तत्पश्चात संस्थान के अधिकारियों / कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसका संचालन राजभाषा सहायक ग्रेड I श्री विपिन पवार ने किया । अंत में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए संस्थान के कर्मचारियों को पुरस्कृत किया गया । सह प्राध्यापक श्री ना. लि. नाड़गौड़ा ने आभार प्रदर्शन किया ।

7) **पुल मानक समिति की 70 वीं बैठक**

पुल मानक समिति की 70 वीं बैठक दि. 28 से 29 जनवरी तक बैंगलोर में सपन्न हुई, जिसमें संस्थान के निदेशक ने भाग लिया ।

8) **मुख्य रेल पथ इंजीनियर सेमिनार**

संस्थान में दिनांक 8 से 9 फरवरी तक मुख्य रेल पथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया । सभी क्षेत्रीय रेलों के मुख्य रेल पथ इंजीनियरों ने इस सेमिनार में भाग लिया । भारतीय रेल द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु इन वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी के अधिकारियों को अपने विचार तथा अनुभव व्यक्त करने के लिए इस सेमिनार ने एक मंच उपलब्ध कराया ।

9) **मुख्य इंजीनियर (रेल पथ मशीन) सेमिनार**

संस्थान में दिनांक 15 से 16 फरवरी तक मुख्य इंजीनियर (रेल पथ मशीन)सेमिनार आयोजित किया गया । कार्यकारी निदेशक(रेल पथ मशीन) रेलवे बोर्ड ने भी सेमिनार में भाग लिया । सेमिनार में चर्चा के दौरान प्लासर (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, फरीदाबाद के श्री ट्रेनर तथा उत्पादकों जैसे क्यूमिन्स, ग्रीव्स आदि के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे । सेमिनार में विचार विमर्श के दौरान अनेक उपयोगी सुझाव दिए गए।

10) **निदेशक (राजभाषा) रेलवे बोर्ड का दौरा**

निदेशक (राजभाषा) रेलवे बोर्ड श्री विजय कुमार मल्होत्रा ने दिनांक 19 फरवरी को संस्थान का दौरा किया । इस अवसर पर सभी संकाय सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें पश्चिम रेल के मुख्य इंजीनियर श्री एम. एस. एकबोटे भी उपस्थित थे। इस बैठक में राजभाषा के प्रयोग - प्रसार की समीक्षा की गई ।

11) **रेल पथ आरेख साफ्टवेयर**

रेल पथ आरेख बनाने के मूल साफ्टवेयर में संस्थान ने संशोधन किए है, जिसकी एक प्रति उपयोगकर्ताओं की नियमावली सहित सभी क्षेत्रीय रेलों को भेजी गई है ।

12) **"यू एस एफ डी तथा रेल वेल्ड खराबी " पर आयोजित सेमिनार में व्याख्यान**

पश्चिम रेल ने रतलाम में " यू एस एफ डी तथा रेल वेल्ड खराबी" पर एक सेमिनार का आयोजन किया था, जिसमें इरिसेन के संकाय सदस्य वरिष्ठ प्राध्यापक (कार्य) श्री अरबिन्द कुमार ने " यू एस एफ डी परीक्षण - परम्परागत बनाम आवश्यक्ताधारित " तथा एल डब्ल्यु आर के संगत प्रावधानों पर व्याख्यान दिए, जो प्रतिभागियों के लिए बहुत उपयोगी रहे ।

13) **संस्थान का स्थापना दिवस**



(चित्र में स्थापना दिवस के अवसर पर अध्यक्ष - रेलवे बोर्ड प्रशिक्षु अधिकारी को पुरस्कृत करते हुए ।)

दिनांक 19 मार्च को संस्थान का 41 वां स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर दिनांक 18 मार्च को संस्थान के छात्रावास में प्रशिक्षु अधिकारियों व्दारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें अध्यक्ष रेलवे बोर्ड सहित अनेक उच्चाधिकारी उपस्थित थे ।



(चित्र में स्थापना दिवस के अवसर पर मंच पर उपस्थित बाएं से श्री सी. जी. बिजलानी, प्राचार्य रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वडोदरा, श्री के. बी. शंकरन, महाप्रबंधक मध्य रेल, श्री वी. के. अग्रवाल, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड, श्री विनोद कुमार, निदेशक, इरिसेन, डा. एम. मणि, मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त तथा श्री जी. आर. मदान, महाप्रबंधक, मेट्रो रेल)

स्थापना दिवस का मुख्य समारोह दिनांक 19 मार्च को आयोजित किया गया। रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष तथा भारत सरकार के प्रधान सचिव श्री वी. के. अग्रवाल कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे । मेट्रो रेल कलकत्ता के महाप्रबंधक श्री जी. आर. मदान, मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री के. बी. शंकरन, मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त डॉ. एम. मणि तथा रेलवे स्टॉफ कॉलेज, वडोदरा के प्राचार्य श्री सी. जी. बिजलानी मंच पर उपस्थित थे । समारोह में संस्थान में प्रशिक्षित अधिकारियों को प्रशिक्षण अवधि में उनके उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए पुरस्कृत किया गया, साथ ही भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के 1972 समूह के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए ।



(''भारतीय रेलों के कार्य एवं रेल पथ पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार '' विषय पर आयोजित सेमिनार में संबोधित करते हुए अध्यक्ष-रेलवे बोर्ड)

कार्यक्रम का संचालन श्री सुभाषचंद गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक पुल I तथा राजभाषा सहायक ग्रेड I श्री विपिन पवार ने किया। आभार प्रदर्शन संकाय अध्यक्ष श्री राजीव भार्गव ने किया ।

अपरान्ह ''भारतीय रेलो के कार्य एवं रेल पथ पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण में सुधार'' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया, इस अवसर पर संस्थान व्दारा प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया गया ।

14) सिविल इंजीनियरी पहलूओं पर पाठ्यक्रम

दिनांक 18 एव 19 मार्च को वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों के लिए सिविल इंजीनियरी पहलूओं पर एक विशेष पाठ्यक्रम (सत्र क्र. 9915) आयोजित किया गया, जिसमें विचार विमर्श के अलावा प्रतिभागियों ने कार्य पर्यवेक्षकों की विभिन्न कोटियों के लिए प्रारूप पाठ्यक्रम का परीक्षण किया तथा अपनी अनुशंसाएं की ।

15) पूर्वोत्तर सीमांत रेल पर फील्ड पाठ्यक्रम

पूर्वोत्तर सीमांत रेल के अनुरोध पर संस्थान व्दारा दिनांक 30 से 31 मार्च तक गुवाहाटी में एल डब्ल्यु आर एवं यू एस एफ डी पर एक व्दिदिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पूर्वोत्तर सीमांत रेल के 34 अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों ने भाग लिया ।

16) प्रशिक्षण सांख्यिकी

वर्ष 1998 - 99 के दौरान संस्थान ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता का 95 % उपयोग किया जबकि वर्ष 1997 - 98 के दौरान 86 % प्रशिक्षण क्षमता का उपयोग किया गया था । क्षेत्रीय रेलों पर विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करने के संस्थान के प्रयासों के कारण ही प्रशिक्षण क्षमता के उपयोग के क्षेत्र में यह प्रभावशाली एवं उच्च प्रतिशत प्राप्त किया जा सका है ।

वित्त वर्ष	पाठ्यक्रम सप्ताह	आबंटित स्थान	उपयोग किए गए स्थान	उपयोग का प्रतिशत
1997-98	172	1466	1263	86%
1998-99	168	1357	1289	95%

17) विदाई

सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त 1981 के समूह के भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के अधिकारी श्री तरूण कुमार ने 1983 में रेल सेवा में प्रवेश किया। दक्षिण पूर्व रेलवे के पांचकुरा(खड़गपुर) में सहायक इंजीनियर के रूप में सेवा प्रारंभ करते हुए बाद में अपने मंडल इंजीनियर (निर्माण), उपमुख्य इंजीनियर (निर्माण) कोरापुट- रायगढ़ तथा वरिष्ठ मंडल इंजीनियर, खुर्दा रोड जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने के उपरांत दिनांक 27-7- 94 को संस्थान में प्राध्यापक-पुल 2 का पदभार ग्रहण किया। आपने रेलवे के भारी संचालन वाले उपनगरीय खंडो का सफलतापूर्वक अनुरक्षण किया है तथा आपको सिविल अभियांत्रिकीय परिसम्पत्तियों के प्रबंधन एवं अनुरक्षण का गहन अनुभव प्राप्त है । आपने सुरंगों, पुलों, गहरी कटिंगों तथा उच्च तटबंधों सहित घाट खंड में कोरापुट - रायगढ़ नई ब्राड गेज लाइन का निर्माण किया है । आप नवीनतम तकनीकों को सम्मिलित करते हुए रेलवे सरेखण के सर्वेक्षण के विशेषज्ञ है । रेल पथ प्रबोधन पर स्वीडन में प्रशिक्षण प्राप्त श्री तरूण कुमार को दुष्कर भूभागों में सुरंगो का विस्तृत अनुभव प्राप्त है।



(तरुणकुमार)

दिनांक 29 जनवरी को श्री तरूण कुमार को संस्थान व्दारा भावभीनी विदाई दी गई । वर्तमान में आप उप मुख्य इंजीनियर (पुल) / दक्षिणपूर्व रेलवे / कलकत्ता के पद पर कार्यरत है। संस्थान आपके उज्वल भविष्य की कामना करता है ।

बी. एस-सी., तथा ए. एम. आई इ.(आई), डिप्लोमा इन सिविल इंजीनियरी तक शिक्षित श्री प्रदीप कुमार पालीवाल ने दिनांक 8 - 8 - 88 को प्रशिक्षु कार्य निरीक्षक ग्रेड III के रूप में रेलवे में

प्रवेश किया तथा विभागीय पदोन्नति के आधार पर दिनांक 20 - 10 - 97 को संस्थान में सहायक इंजीनिअर II के पद का कार्यभार ग्रहण किया। इसी तिमाही में आप इरिसेन से स्थानांतरित हुए तथा वर्तमान में आप सहायक इंजीनियर मध्यरेल, भुसावल के पद पर कार्यरत है ।

18) स्वागत

वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर (कार्य) निर्माण, मध्य रेल, जबलपुर के पद से विभागीय पदोन्नति पर आए श्री आलोक मित्तल ने दिनांक 21 - 2 - 99 को संस्थान में सहायक इंजीनियर II का पदभार ग्रहण किया ।



(आलोक मित्तल)

19) निकट भविष्य में आयोजित किए जाने वाले प्रशिक्षण पाठ्यक्रम.

सत्र क्र.	दिनांक		विषय
	से	तक	
9917	3.5.99	16.7.99	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम
9918	3.5.99	7.5.99	भवन निर्माण तथा रेलवे कालोनी अनुरक्षण पर विशेष पाठ्यक्रम
9919	17.5.99	2.7.99	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा परीवीक्षार्थी (चरण 2)
9912	10.5.99	14.5.99	कंक्रीट प्रौद्योगिकी पर विशेष पाठ्यक्रम
9916	17.5.99	21.5.99	भारतीय रेल लेखा सेवा परीवीक्षार्थियों का पाठ्यक्रम
9920	24.5.99	28.5.99	भारतीय रेल कार्मिक सेवा परीवीक्षार्थियों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
9921	12.7.99	16.7.99	झलाई तथा रेल विभंजन पर विशेष पाठ्यक्रम
9922	31.5.99	25.6.99	पुल अभिकल्प पर विशेष पाठ्यक्रम
9923	21.6.99	25.6.99	रेल पथ मशीनों के प्रबंधन पर विशेष पाठ्यक्रम
9925	28.6.99	2.7.99	संगणक परिबोध पर विशेष पाठ्यक्रम
9926	5.7.99	9.7.99	भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी सेवा के परीवीक्षार्थियों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
9927	12.7.99	13.7.99	मुख्य योजना एवं अभिकल्प इंजीनियरों का सेमिनार
9928	19.7.99	23.7.99	भारतीय रेल इंजीनियरी सेवा के परीवीक्षार्थियों की तैनाती परीक्षा
9929	19.7.99	6.8.99	सरकारी उपक्रमों के लिए पाठ्यक्रम
9930	26.7.99	30.7.99	अवपथन पर विशेष पाठ्यक्रम
9932	2.8.99	15.10.99	समूह 'ख' अधिकारियों के लिए समेकित पाठ्यक्रम
9933	9.8.99	24.9.99	वरिष्ठ व्यावसायिक पाठ्यक्रम

20) आपके पत्र

त्रैमासिक सूचना पत्र (जुलाई - सितंबर 1998) प्राप्त हुआ । प्रसन्न हूं , धन्यवाद । मुझे लगता है कि सूचना पत्र का आकार लघु होने पर भी सुनियोजित सम्पादन कला के वैशिष्ट्य से यह अत्यंत आकर्षक एवं अपने निर्देशक लक्ष्य में कारगर सिध्द हुआ है ।

-डॉ. एन. चंद्रशेखर नायर
अध्यक्ष - केरल हिंदी साहित्य अकादमी
सदस्य - रेलवे हिंदी सलाहकार समिति, रेल मंत्रालय
श्रीनिकेतन, लक्ष्मीनगर, पट्टम पैलेस पोस्ट ऑफिस
तिरूवनन्तपुरम (केरल) 695004.

संस्थान की गृह पत्रिका त्रैमासिक सूचना पत्र का अक्तूबर - दिसंबर 1998 अंक प्राप्त हुआ, धन्यवाद । तकनीकी विषयों पर सूचना पत्र में दी गई जानकारी विभिन्न रेल कार्यालयों के लिए उपयोगी साबित होगी । हिंदी कार्यान्वयन और रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्य डा. सूरजभान सिंह के व्याख्यान पर प्रकाशित रिपोर्ट संस्थान में राजभाषा हिंदी की प्रगति की सूचक है । संसदीय राजभाषा समिति के प्रतिवेदन के प्रथम खंड पर जारी संकल्प में ऐसे तकनीकी प्रकाशनों के व्यापक प्रचार-प्रसार की सिफारिश की गई थी । पत्रिका को यदि विभिन्न हिंदी सेवी संस्थानों, रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के सदस्यों आदि को भी प्रेषित किया जा सके, तो इससे उपयोगी सुझाव हासिल होंगें ।

चुस्त संपादन, आकर्षक छपाई और उत्कृष्ट कलेवर के लिए संपादन मंडल के सभी सदस्य साधुवाद के पात्र है ।

-विश्वामित्र
राजभाषा अधिकारी (मुख्यालय)
मध्य रेल, मुंबई.

आपके सुझाव के अनुसार पिछले अंक से यह पत्र रेलवे हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्यों को प्रेषित किया जा रहा है ।- संपादक

उपरोक्त विषयक आपका पत्र मिला । छोटे में आकर्षक एवं तथ्यात्मक पत्रिका है । जैसा कि पूर्व में आग्रह था, क्या यह अच्छा नहीं होता कि कुछ लघु कथाएं, क्षणिकाएं भी साथ-साथ आप प्रकाशित करें ।

आपके 'ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन' पर हम सभी को बहुत आशाएं है।

-ज्योति नारायण प्रसाद
वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी -I पूर्व रेलवे,
17, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता - 700 001.

आगामी अंक से साहित्यिक खंड प्रारंभ किया जा रहा है । -संपादक

सुभाषचंद गुप्ता, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक - पुल 1, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरी संस्थान, पुणे - 1 द्वारा प्रकाशित
एवं मेसर्स श्री त्रिमूर्ति मुद्रिका, चिंचवड, पुणे - 19. फोन -770264 द्वारा मुद्रित ।
केवल सीमित निशुल्क आंतरिक वितरण हेतु